doubtnut
India's Number 1 Education App

ACCOUNTS

NCERT - NCERT अकाउंटेंसी(HINDI)

साझेदारी लेखांकन - आधारभूत अवधारणाएँ

उदाहरण

1. समीर तथा यासमीन क्रमशः 15,00,000 रु. तथा 10,00,000 रु. पूँजी लगाकर साझेदार बने हैं। वे लाभों को के अनुपात में बाँटने को सहमत हैं। आप यह दर्शाएँ कि इन

दोनों साझेदारों के पूँजी खातों में लेन-देन कैसे अभिलेखित होगें, यदि मामले (1) में स्थिर पूँजी है, मामले (2) में अस्थिर (घट-बढ़) पूँजी है। खाता पुस्तकें, प्रत्येक वर्ष 31 मार्च को बंद होती है।

विवरण	*समीर (रु.)*	*यासमीन (रु.)*
01 जुलाई, 2014 में विनियोजित पूँजी समावेश	3,00,000	2,00,000
पूँजी पर ब्याज	5%	5%
आहरण (2014–15 में)	30,000	20,000
आहरण पर ब्याज	1,800	1,200
वेतन	20,000	
कमीशन	10,000	7,000
वर्ष 2014–15 में हानि का भाग	60,000	40,000

उत्तर देखें

2. अमित, बाबू एवं चारू 01 अप्रैल, 2015 को एक व्यवसाय हेतु साझेदारी फर्म स्थापित करते हैं। उन्होंने क्रमशः 50,000

रु., 40,000 रु. तथा 30,000 रु. पूँजी के रूप में लगाया है अनुपात में व हानि की भागीदारी के लिए सहमत हैं। अमित को प्रतिमाह 1.000 रु. वेतन के रूप में देय है तथा बाबू को प्रति वर्ष कमीशन के रूप में 5,000 रु. देय है। इसके साथ यह भी प्रावधान है कि पूँजी पर 6% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज देय होगा। इस वर्ष के आहरण - अमित 6,000 रु., बाबू 4,000 रु. तथा चारू 2,000 रु. हैं। आहरणों पर ब्याज के रूप में अमित से 270 रु., बाबू के आहरण पर 180 रु. तथा चारू से 180 रु. प्रभारित किए गए हैं। लाभ एवं हानि खाते के अनुसार कुल निवल लाभ 31 मार्च, 2016 की समाप्ति पर 35,660 रु. तथा साझेदारों के बीच लाभ एवं तैयार करें।

उत्तर देखें

3. येदु, मधु और विधु साझेदार है और 2:2:1 के अनुपात में लाभ व हानि की भागीदारी के लिए सहमत है। अप्रैल 01, 2019 को उनकी स्थिर पूँजी इस प्रकार है: येदु 5,00,000 रु., मधु 4,00,000 रु. और विधु 3,50,000 रु.। साझेदारी संलेख के अनुसार येदु को प्रतिमाह 2,000 रु. का वेतन देय है, विधु को 18,000 रु. का कमीशन देय है। इसके अतिरिक्त साझेदारों को 5% पूंजी पर ब्याज मिलना भी देय है। मार्च 31, 2020 को यदि फर्म को 75,000 रु. की हानि होती है तो ऐसी दशा में लाभ एवं हानि विनियोग खाता तैयार करें।

उत्तर देखें

4. अभिताभ एवं बाबुल 3: 2 के अनुपात में लाभ की भागीदारी करते हुए क्रमशः 50,000 रु. तथा 30,000 रु. लगाकर एक फर्म के साझेदार हैं। पूँजी पर 6% वार्षिक ब्याज दर पर सहमति है। बाबुल को प्रतिवर्ष 2,500 रु. का वेतन लेने की अनुमति है। वर्ष 2019-20 वर्ष का लाभ, बाबुल के वेतन प्रभारित करने तथा पूँजी पर ब्याज के परिकलन के पश्चात राशि 11,750 रु. है।

वर्ष के अंत में 31 मार्च, 2020 को लाभ का विभाजन दर्शाते हुए साझेदारों के पूँजी खाते तैयार करें।

उत्तर देखें

5. सलोनी और सृष्टि एक फर्म में साझेदार हैं। उनका पूँजी खाता 01 अप्रैल 2015 को क्रमशः 2,00,000 रु. तथा 3,00,000 रु. शेष दर्शाता है। 01 जुलाई, 2015 को सलोनी ने 50,000 रु. अतिरिक्त पूँजी और सृष्टि ने 60,000 रु. अतिरिक्त पूँजी लगाई । अपने निजी उपयोग हेतु सलोनी ने, 01 अक्तूबर, 2015 को 30,000 रु. तथा सृष्टि ने 01 जनवरी, 2016 को, 15,000 रु. का आहरण किया। 8% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज अनुमत था। वित्त वर्ष 2015-16 के दौरान दोनों साझेदारों की पूँजी पर ब्याज देय का परिकलन कीजिए।

उत्तर देखें

6. जोश एवं क्रिश साझेदार हैं और लाभ एवं हानि के लिए 3:1 अनुपात पर सहमत हैं। वित्त वर्ष 2015-16 के अंत में उनकी पूँजी 1,50,000 रु. तथा 75,000 रु. थी। वर्ष 2015-2016 के दौरान आहरण जोश के नाम 20,000 रु. तथा क्रिश के नाम आहरण 5,000 रु. था। जिसे उनके पूँजी खाते में नाम पक्ष में डाला गया है। ब्याज प्रभारित करने से पहले उनका लाभ 16,000 रु. था। क्रिश 01 अक्तूबर, 2015 को 16,000 रु. अतिरिक्त पूँजी फर्म में लाया जिसे लाभ सहभाजन अनुपात में डाला गया। पूँजी पर 12% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज गणना करें।

उत्तर देखें

7. अनुपम एवं अभिषेक 3:2 के अनुपात में लाभ हानि की भागीदारी करने वाले साझेदार हैं। 01 अप्रैल, 2017 को उनका पूँजी खाता क्रमशः 1,50,000 रु. तथा 2.00.000 रु. दर्शाता है। 31 मार्च, 2018 को वर्ष की समाप्ति पर पूँजी पर ब्याज का व्यवहार निम्नलिखित के लिए दर्शाएँ:

यदि पूँजी पर ब्याज के भुगतान के लिए साझेदारी विलेख मूक है और वर्ष का लाभ 50,000 रु. है।

उत्तर देखें

8. अनुपम एवं अभिषेक 3:2 के अनुपात में लाभ हानि की भागीदारी करने वाले साझेदार हैं। 01 अप्रैल, 2017 को

उनका पूँजी खाता क्रमशः 1,50,000 रु. तथा 2.00.000 रु. दर्शाता है। 31 मार्च, 2018 को वर्ष की समाप्ति पर पूँजी पर ब्याज का व्यवहार निम्नलिखित के लिए दर्शाएँ:

यदि साझेदारी विलेख पूँजी पर 8% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज का प्रावधान रखता है तथा फर्म को उस वर्ष के दौरान 10,000 रु. की हानि होती है।

उत्तर देखें

9. अनुपम एवं अभिषेक 3:2 के अनुपात में लाभ हानि की भागीदारी करने वाले साझेदार हैं। 01 अप्रैल, 2017 को उनका पूँजी खाता क्रमशः 1,50,000 रु. तथा 2.00.000 रु.

दर्शाता है। 31 मार्च, 2018 को वर्ष की समाप्ति पर पूँजी पर ब्याज का व्यवहार निम्नलिखित के लिए दर्शाएँ:

यदि साझेदारी विलेख में पूँजी पर 8% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज देने का प्रावधान है और फर्म उस वर्ष के दौरान 50,000 रु. का लाभ अर्जित करती है।

उत्तर देखें

10. अनुपम एवं अभिषेक 3:2 के अनुपात में लाभ हानि की भागीदारी करने वाले साझेदार हैं। 01 अप्रैल, 2017 को उनका पूँजी खाता क्रमशः 1,50,000 रु. तथा 2.00.000 रु. दर्शाता है। 31 मार्च, 2018 को वर्ष की समाप्ति पर पूँजी पर

ब्याज का व्यवहार निम्नलिखित के लिए दर्शाएँ:

यदि साझेदारी विलेख में पूँजी पर 8% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज देने का प्रावधान है और उस वर्ष के दौरान अर्जित किया गया लाभ 15,000 रु. है।

उत्तर देखें

11. जॉन अब्राहम 'माडर्न टूर एवं ट्रैवल कंपनी' में साझेदार है तथा लेखा वर्ष के अंत 31 मार्च, 2015 को निजी प्रयोग हेतु अपनी पूँजी खाते धन को आहरित करते हैं। निम्न वैकल्पिक स्थिति पर ब्याज का परिकलन करें, यदि ब्याज की दर 9% प्रतिवर्ष की है।

यदि वह प्रति माह के प्रारंभ में 3,000 रु. प्रतिमाह आहरित करता है।

उत्तर देखें

12. जॉन अब्राहम 'माडर्न टूर एवं ट्रैवल कंपनी' में साझेदार है तथा लेखा वर्ष के अंत 31 मार्च, 2015 को निजी प्रयोग हेतु अपनी पूँजी खाते धन को आहरित करते हैं। निम्न वैकल्पिक स्थिति पर ब्याज का परिकलन करें, यदि ब्याज की दर 9% प्रतिवर्ष की है।

यदि प्रत्येक माह के अंत में, वह 3,000 रु. आहरित करता है।

उत्तर देखें

13. जॉन अब्राहम 'माडर्न टूर एवं ट्रैवल कंपनी' में साझेदार है तथा लेखा वर्ष के अंत 31 मार्च, 2015 को निजी प्रयोग हेतु अपनी पूँजी खाते धन को आहरित करते हैं। निम्न वैकल्पिक स्थिति पर ब्याज का परिकलन करें, यदि ब्याज की दर 9% प्रतिवर्ष की है।

यदि निम्नलिखित राशि विभिन्न तिथियों पर आहरित की जाती है : 01 जून, 2019 को 12,000 रु., 31 अगस्त, 2019 को 8,000 रु., 30 सितंबर 2019 को 3,000 रु., 30 नवंबर 2019 को 7,000 रु, तथा, 31 जनवरी, 2020 को 6,000 रु.

उत्तर देखें

14. मनु, हैरी तथा अली एक फर्म में साझेदार हैं और वे लाभ एवं हानि के बराबर के भागीदारी के लिए सहमत हैं। फर्म से हैरी एवं अली निम्नलिखित आहरण अपने स्वयं के इस्तेमाल हेतु वर्ष 2016-17 के दौरान करते हैं:

तिथि	*हैरी (रु.)*	*अली (रु.)*
2016		
01 अप्रैल	5,000	7,000
01 जुलाई	8,000	4,000
01 दिसंबर	5,000	5,000
2017		
01 मार्च	4,000	9,000

यदि ब्याज दर 10% वार्षिक है तो आहरणों पर ब्याज को परिकलित कीजिए जबकि प्रत्येक वर्ष 31 मार्च को खाता पुस्तकें बंद होती हैं।

उत्तर देखें

15. मोहित एवं रोहन अपनी फर्म में 2:1 के अनुपात में लाभ एवं हानि के विभाजन के साझेदार हैं। वे अपने साथ राहुल को एक साझेदार के रूप में अपनी फर्म में $1/4$ लाभ विभाजन के रूप में शामिल करते हैं और कम-से-कम 50,000 रु. देने की गारंटी देते हैं। लेखा वर्ष के अंत में 31 मार्च, 2015 को उनकी फर्म को 1,60,000 रु. का लाभ हुआ। इसके लिए लाभ एवं हानि विनियोग खाता तैयार कीजिए :

उत्तर देखें

16. अरूण, वरूण और तरूण लॉ फर्म में साझेदार हैं और 5:3:2 के अनुपात में लाभ व हानि का विभाजन करते हैं। साझेदारी संलेख के अनुसार :

(i) पूँजी पर ब्याज 5% प्रतिवर्ष

(ii) अरूण को 6,00,000 रू. के वार्षिक शुल्क की गारन्टी फर्म द्वारा दी गई है।

(iii) तरूण को पूँजी पर ब्याज के अतिरिक्त 2 50,000 रू. के लाभ की गारण्टी दी गई है। यदि किसी वर्ष यह धनराशि कम है तो इस कमी की पूर्ति अरूण और वरूण 2:3 के अनुभाग पूरा करेंगे।

मार्च 31, 2019 को अरूण ने 3,20,000 रू. का शुल्क अर्जित किया तथा फर्म का लाभ 8,60,000 रू. रहा। यदि अप्रैल 01,

2019 को साझेदारों की पूँजी 30,00,000 रू. (अरूण), 3,00,000 रू. (वरूण) और 2,00,000 रू. (तरूण) है तो लाभ एवं हानि विनियोग खाता तैयार करें तथा कार्यकारी टिप्पणियाँ भी दें।

उत्तर देखें

17. जॉन एवं मैथ्यू 3:2 के अनुपात से लाभ एवं हानि का विभाजन करते हैं। वे अपने साथ मोहंती को $1/6$ लाभ के विभाजन पर शामिल करते हैं। जॉन ने व्यक्तिगत रूप से पूँजी पर 10% वार्षिक की दर से ब्याज प्रभारित करने के बाद यह गारंटी दी कि यह लाभ राशि प्रति वर्ष 30,000 रु. से कम

नहीं रहेगी। फर्म में साझेदारों की पूँजी इस प्रकार से है : जॉन 2,50,000 रु., मैथ्यू 2,00,000 रु. तथा मोहंती रु. 1,50,000 रु. को 31 मार्च, 2015 को वर्ष की समाप्ति पर, पूँजी पर ब्याज निकालने से पहले लाभ 1,50,000 रु. था। यदि नया लाभ विभाजन अनुपात 3: 2:1 है तो लाभ एवं हानि विनियोग खाता प्रदर्शित करें।

उत्तर देखें

18. महेश एवं दिनेश लाभ एवं हानि का विभाजन 2:1 अनुपात में करते हैं। उन्होंने 01 जनवरी, 2016 को अपनी फर्म में राकेश को $1/10$ (दसवें भाग) का भागीदार बनाते हैं और

उसे कम से कम 25,000 रु. की गारंटी देते हैं। महेश एवं दिनेश अपनी नाम भागीदारी पूर्ववत ही रखते हैं परन्तु राकेश की गारंटी के खाते में कोई कमी आने पर उसे मिलकर क्रमश: 3:2 के अनुपात में वहन करने पर सहमत हो जाते हैं। वर्ष की समाप्ति पर 31 दिसंबर, 2016 को फर्म से 1,20,000 रु. लाभ प्राप्त होता है। इसके लिए लाभ व हानि विनियोग खाता तैयार करें।

उत्तर देखें

19. नुसरत, सोनू तथा हिमेश एक फर्म में 5 : 3 : 2 के अनुपात से लाभ व हानि के विभाजन पर साझेदार हैं।

साझेदारी विलेख में प्रावधान है कि आहरणों पर 10% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज प्रभारित किया जाए। मार्च 31, 2015 में वर्ष की समाप्ति पर नुसरत, सोनू तथा हिमेश के आहरण क्रमशः 20,000 रु., 15,000 रु. तथा 10,000 रु. थे। अंतिम लेखा तैयार करने के बाद यह पाया गया कि आहरणों पर ब्याज के बारे में ध्यान नहीं दिया गया। आवश्यक समायोजन रोजनामचा प्रविष्टि बनाएँ।

उत्तर देखें

स्वयं जाँचिये 1

1. मोहन और श्याम एक फर्म के साझेदार हैं। यदि उनका साझेदारी विलेख निम्नलिखित मामले में मूक है तो आप बताएं कि क्या उसके दावे वैध हैं?

मोहन एक सक्रिय साझेदार है। वह प्रतिवर्ष 10,000 रु. का वेतन चाहता है।

उत्तर देखें

2. मोहन और श्याम एक फर्म के साझेदार हैं। यदि उनका साझेदारी विलेख निम्नलिखित मामले में मूक है तो आप बताएं कि क्या उसके दावे वैध हैं?

श्याम ने फर्म को एक प्रवृद्ध ऋण दिया हुआ है, वह प्रतिवर्ष 10% की दर से ब्याज का दावा करता है।

उत्तर देखें

3. मोहन और श्याम एक फर्म के साझेदार हैं। यदि उनका साझेदारी विलेख निम्नलिखित मामले में मूक है तो आप बताएं कि क्या उसके दावे वैध हैं?

फर्म में पूँजी के रूप में मोहन ने 20,000 रु. तथा श्याम ने 50,000 रु. दिए हैं। मोहन बराबर लाभ चाहता है।

उत्तर देखें

4. मोहन और श्याम एक फर्म के साझेदार हैं। यदि उनका साझेदारी विलेख निम्नलिखित मामले में मूक है तो आप बताएं कि क्या उसके दावे वैध हैं?

श्याम अपनी पूँजी पर 6% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज प्राप्त करना चाहता है।

उत्तर देखें

5. आप बताएँ कि निम्नलिखित कथन सही है या गलत।

साझेदारों के बीच बिना किसी लिखित सामझौते के एक वैध साझेदारी गठित की जा सकती है।

उत्तर देखें

6. आप बताएँ कि निम्नलिखित कथन सही है या गलत।

प्रत्येक साझेदार व्यवसाय को प्रमुख रूप से चलाने के साथ-साथ दूसरे साझेदार के लिए अभिकर्ता का भी काम करता है।

उत्तर देखें

7. आप बताएँ कि निम्नलिखित कथन सही है या गलत।

एक बैंकिग फर्म में अधिकतम साझेदारों की संख्या 20 तक हो सकती है।

उत्तर देखें

8. आप बताएँ कि निम्नलिखित कथन सही है या गलत।

साझेदारों के बीच विवाद के समाधान की प्रविधि साझेदारी विलेख का भाग नहीं हो सकती है।

उत्तर देखें

9. आप बताएँ कि निम्नलिखित कथन सही है या गलत।

यदि विलेख मौन है तो साझेदार द्वारा आहरित राशि पर ब्याज अनुपात 6% प्रतिवर्ष की दर से देय होगा।

उत्तर देखें

10. आप बताएँ कि निम्नलिखित कथन सही है या गलत।

यदि विलेख ब्याज दर के बारे में मौन है तो फर्म में साझेदार के ऋण पर 12% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज देय है।

उत्तर देखें

स्वयं जाँचिये 2

1. राजू एवं जय एक व्यवसाय में 01 अप्रैल, 2015 से साझेदार हैं। लिखित या मौखिक रूप में कोई भी समझौता

नहीं है। इन दोनों ने क्रमश: 4,00,000 रु. तथा 1,00,000 रु. की पूँजी की भागीदारी की है। इसके अतिरिक्त राजू ने 01 अक्तूबर, 2015 को प्रवृद्ध राशि के रूप में 2,00,000 रु. दिए हैं, 01 जुलाई, 2016 को राजू एक दुर्घटना का शिकार हो गया और 30 सितंबर, 2015 तक व्यवसाय में भाग नहीं ले पाया। वर्ष की समाप्ति पर 31 मार्च, 2016 को लाभ 50,600 रु. प्राप्त हुआ। दोनों साझेदारों के बीच लाभ वितरण को लेकर विवाद पैदा हो गया।

राजू का दावा है:

(i) उसे पूँजी एवं ऋण पर 10% वार्षिक की दर से ब्याज दिया जाना चाहिए।

(ii) लाभ को पूँजी के अनुपात में वितरित किया जाना चाहिए।

जय का दावा है:

(i) निवल लाभ को बराबर-बराबर बाँटा जाना चाहिए।

(ii) राजू की बीमारी की अवधि के लिए उसे 1,000 रु. प्रतिवर्ष की दर से पारिश्रमिक दिया जाना चाहिए।

(iii) उसे पूँजी और ऋण पर 6% वार्षिक दर से ब्याज दिया जाना चाहिए। आपसे अपेक्षा की जाती है कि दोनों के बीच विवाद को 1932 अधिनियम के अनुसार प्रत्येक मुद्दे का सही समाधान करें:

उत्तर देखें

2. रीना एवं रमन क्रमश 3,00,000 रु. तथा 1,00,000 रु. की पूँजी लगाकर साझेदार हैं। 01 अप्रैल, 2015 से 31 मार्च, 2016 की समाप्ति तक, (लाभ व हानि खाता के अनुसार) व्यापार लाभ 1,20,000 रु. था। पूँजी पर प्रतिवर्ष 6% की दर से ब्याज की अनुमति है। रमन को प्रतिवर्ष 30,000 रु. वेतन प्राधिकृत किया गया था। दोनों साझेदारों के आहरण क्रमशः 30,000 रु. तथा 20,000 रु. थे। रीना के आहरण पर ब्याज 1,000 रु. तथा रमन पर ब्याज 500 रु. है।

रीना एवं रमन को बराबर का साझेदार मानते हुए लाभ एवं हानि विनियोग खाता तैयार करें।

उत्तर देखें

स्वयं जाँचिये 3

1. रानी एवं सुमन क्रमशः 80,000 रु. एवं 60,000 रु. की पूँजी लगाकर एक फर्म की साझेदार हैं। वर्ष 2019-20 के दौरान रानी ने 10,000 रु. आहरित किए और सुमन ने 15,000 रु. आहरित किए। पूँजी पर ब्याज प्रभारित करने से पहले फर्म का लाभ 50,000 रु. था जिसे रानी एवं सुमन के बीच 3:2 के अनुपात में विभाजित किया गया।

रानी एवं सुमन की पूँजी 12% प्रतिवर्ष की दर से, वर्ष के अंत 31 मार्च, 2020 को ब्याज का परिकलन कीजिए।

उत्तर देखें

2. प्रिया एवं काजल ने 5:3 के अनुपात से लाभ की भागीदारी पर एक फर्म स्थापित की। 01 अप्रैल, 2019 को उनकी स्थिर पूँजी इस प्रकार थी : प्रिया 6,00,000 रु. तथा काजल 8,00,000 रु. । 31 मार्च, 2020 को वित्त वर्ष के अंत में फर्म का लाभ 1,26,000 रु. था। इनके बीच लाभ विभाजन बताएँ (अ) जबकि पूँजी पर ब्याज के अलावा और कोई समझौता नहीं है, (ब) जबकि एक स्पष्ट समझौता हुआ है कि पूँजी पर ब्याज 12% प्रतिवर्ष की दर से भुगतान अनुमत है।

उत्तर देखें

संख्यात्मक प्रश्न

1. त्रिपाठी एवं चौहान एक फर्म में 3:2 के अनुपात में लाभ व हानि विभाजन के साझेदार हैं और उनकी पूँजी 01 अप्रैल, 2019 को क्रमशः, 60,000 रु. एवं 40,000 रु. है। वर्ष के दौरान वे 30,000 रु. का लाभ कमाते हैं। साझेदारी विलेख के अनुसार दोनों साझेदार वेतन के रूप में प्रति माह 1,000 रु. वेतन के अधिकारी है पूँजी पर 5% प्र. व की दर से ब्याज के लिए सहमत हैं। आहरण पर 5.1 प्र. व ब्याज भी निश्चित किया गया है। नियमित अवधि का पालन न करते हुए त्रिपाठी ने 12,000 रु. व चौहान ने 8,000 रु. आहरित किए हैं। पूँजी स्थिर है इस आधार पर साझेदार का पूँजी और चालू खाता तैयार करें।

उत्तर देखें

2. अनुभा एवं काजल एक फर्म में 2:1 के अनुपात के लाभ व हानि विभाजन के साझेदार हैं, उनकी पूँजी क्रमशः 90,000 रु. तथा 60,000 रु. है। वर्ष के दौरान लाभ 45,000 रु. है। साझेदारी विलेख के अनुसार दोनों साझेदार वेतन के लिए अनुमत है जिसमें अनुभा 700 रु. प्रति माह तथा काजल को 500 रु. प्राप्त होते हैं। वर्ष के दौरान आहरण अनुभा 8.500 रु. तथा काजल 6,500 रु. थे। आहरणों पर 5% की दर से ब्याज प्रभारित होता है। साझेदार का पूँजी खाता तैयार करें और मान कर चलें की पूँजी अस्थिर है।

उत्तर देखें

3. हर्षद एवं धीमान 01 अप्रैल, 2019 से साझेदार हैं। इनके बीच कोई साझेदारी समझौता हस्ताक्षरित नहीं किया है। दोनों ने क्रमशः 4,00.000 रु. तथा 1,00,000 रु. पूँजी के रूप में लगाएँ हैं। इसके साथ ही हर्षद ने 01 अक्तूबर, 2019 को, 1,00,000 रु. अग्रिम राशि लगाई है। अस्वस्थ होने के कारण हर्षद 01 अगस्त से 30 सितंबर, 2016 तक व्यवसाय में भाग नहीं ले सका। वर्ष के अंत में 31 मार्च, 2020 में फर्म को 1,80,000 रु. का लाभ प्राप्त हुआ। लेकिन निम्न बातों के लिए हर्षद एवं धीमान के बीच विवाद पैदा हो गया।

हर्षद का दावा है:

(i) उसे अपनी पूँजी एवं दिए गए ऋण पर 10% प्रति वर्ष की दर से ब्याज मिलना चाहिए ।

(ii) लाभ को पूँजी के अनुपात में वितरित किया जाना चाहिए।

धीमान का दावा है:

(i) लाभ का वितरण एक समान होना चाहिए।

(ii) हर्षद की अनुपस्थिति में व्यवसाय अकेले चलाने के लिए उस अवधि का पारिश्रमिक 2,000 रु. प्रतिमाह की दर से मिलना चाहिए,

(iii) पूँजी एवं ऋण पर 6% प्रतिवर्ष की दर ब्याज अनुमत किया जाना चाहिए।

आप से यह अपेक्षा की जाती है कि हर्षद एवं धीमान के बीच विवाद हल करें। इसके साथ ही लाभ एवं हानि विनियोग खाता तैयार करें।

उत्तर देखें

4. 01 अप्रैल, 2019 को आकृति एवं बिंदु वस्त्र निर्माण के व्यवसाय में साझेदारी करती हैं परंतु कोई भी लिखित समझौता नहीं है। उन्होंने क्रमश 5,00,000 रु. तथा 3.00.000 रु. की पूँजी लगाई और 01 अक्तूबर, 2019 को फर्म में 20,000 रु. ऋण के रूप में दिए, जिस पर ब्याज के लिए कोई लिखित समझौता नहीं हुआ। 31 मार्च, 2020 को वर्ष की समाप्ति पर फर्म का लाभ 43,000 रु. हुआ। दोनों साझेदार लाभ के बँटवारे के आधार पर ब्याज के सवाल पर सहमत नहीं हो सकें आप से अपेक्षा की जाती है कि आप दोनों के बीच लाभ के बँटवारें का समाधान, लाभ व हानि

विनियोग खाता तैयार करके निकालें साथ ही उत्तर के लिए उचित तर्क प्रस्तुत करें।

उत्तर देखें

5. राखी और शिखा क्रमश: 2.00,000 रु. तथा 3.00.000 रु. की पूँजी लगाकर साझेदार बनती हैं। वर्ष की समाप्ति 2015-16 पर लाभ 23,200 रु. होता है। उनके साझेदारी समझौते के अनुसार उनके लाभ का बँटवारा पूँजी के अनुपात में करें परंतु इससे पहले शिखा को 5,000 रु. प्रतिमाह का वेतन तथा साझेदार की पूँजी पर 10% वार्षिक की दर से ब्याज दें। वर्ष के दौरान राखी ने 7,000 रु. तथा शिखा ने

10,000 रु. आहरित किए हैं। आप से अपेक्षा की जाती है कि आप लाभ एवं हानि विनियोग खाता तथा साझेदारों का पूँजी खाता तैयार करें।

उत्तर देखें

6. लोकेश एवं आजाद 3: 2 के अनुपात से लाभ के आधार पर साझेदारी करते हैं जिसमें उन्होंने क्रमशः 50,000 रु. तथा 30,000 रु. लगाए हैं। पूँजी पर 6% की वार्षिक दर से ब्याज प्रभारित करना तय है तथा आज़ाद को वेतन के रूप में 25,000 रु. प्रतिवर्ष देय अनुमत है। वर्ष 2013 के दौरान आज़ाद का वेतन निकालने के बाद लाभ की राशि 12,550

रु. बनती है। इसमें लाभ की राशि का 5% भाग कमीशन के रूप में मैनेजर को देय है। लाभ के विभाजन को दर्शाने वाला खाता तथा साझेदारों का पूँजी खाता तैयार करें।

उत्तर देखें

7. मनीष एवं गिरीश के साझेदारी समझौते में यह प्रावधान है कि :

(i) लाभ का विभाजन बराबर होगा,

(ii) मनीष को प्रतिमाह 400 रु. का वेतन अनुमत होगा,

(iii) गिरीश, जो कि बिक्री विभाग का प्रबंध करता है उसे महेश के वेतन को अनुमत करने के बाद कमीशन के रूप में,

निवल लाभ से 10% प्र. व कमीशन के रूप में प्राप्त होंगे।

(iv) साझेदारों की स्थिर पूँजी पर 7% प्र. व की दर से ब्याज देय होगा।

(v) साझेदारों के वर्ष भर के आहरणों पर 5% की दर से व्याख्या प्रभारित होगी,

(vi) मनीष एवं गिरीश की स्थिर पूँजी क्रमशः 1,00,000 रु. तथा 80,000 रु. हैं। उनकी वार्षिक आहरित राशि क्रमशः 16,000 रु. एवं 14,000 रु. है। 31 मार्च, 2019 को वर्ष की समाप्ति पर लाभ की राशि 40.000 रु. है।

फर्म के लिए लाभ एवं हानि विनियोग खाता तैयार करें।

उत्तर देखें

8. राम, राजू एवं जॉर्ज एक फर्म में 5:3:2 के अनुपात में लाभ विभाजन पर साझेदार हैं। साझेदारी विलेख के अनुसार जॉर्ज को प्रतिवर्ष 10,000 रु. लाभ के भाग के रूप में प्राप्त होंगे। वर्ष 2019 में निवल लाभ की राशि 40,000 रु. है। लाभ एवं हानि विनियोग खाता तैयार करें।

उत्तर देखें

9. अमन, बबीता एवं सुरेश एक फर्म में साझेदार हैं, इनका लाभ विभाजन अनुपात 2:1:1 है। हालाँकि सुरेश को प्रतिवर्ष लाभ के भाग के रूप में न्यूनतम 10,000 रु. की गारंटी दी हुई है। यदि लाभ में कोई कमी आती है तो वह खाता बबीता

द्वारा पूरा किया जाएगा। 31 मार्च, 2019 तथा 2016 को क्रमश: 40,000 रु. तथा 50,000 रु. का लाभ प्राप्त हुआ। दो वर्ष का लाभ एवं हानि विनियोग खाता तैयार करें।

उत्तर देखें

10. सिम्मी एवं सोनू एक फर्म में साझेदार हैं जो लाभ एवं हानि का विभाजन 3:1 के अनुपात में करते हैं। 31 मार्च, 2016 को वर्ष की समाप्ति पर निवल लाभ 50,000 रु. है। निम्नलिखित सूचनाओं को ध्यान में रखते हुए लाभ एवं हानि खाता और पूँजी खाते तैयार करें:

(i) 01 अप्रैल, 2019 को साझेदारों की पूँजी, सिम्मी 30,000

रु., सोनू 60,000 रु.,

(ii) 01 अप्रैल, 2015 को चालू खाते का शेष सिम्मी 30,000 रु. (जमा), सोनू 1,50,000 रु. (जमा),

(iii) वर्ष के दौरान साझेदारों को आहरण राशि, सिम्मी 20,000 रु., सोनू 15,000 रु.,

(iv) पूँजी पर अनुमत ब्याज दर 5% प्रतिवर्ष,

(v) आहरणों पर प्रभारित ब्याज दर 6% प्रतिवर्ष, एक औसत के अनुसार 6 माह की अवधि,

(vi) साझेदारों का वेतन : सिम्मी 12,000 रु. तथा सोनू 9,000 रु.। इसके साथ ही साझेदारों का चालू खाता दर्शाएँ।

उत्तर देखें

11. अरविंद और आनन्द साझेदार हैं और 8 : 3:1 के अनुपात में लाभ व हानि को बांटते हैं। अप्रैल 01, 2019 को उनके पूँजी खाते इस प्रकार थे : अरविन्द 4,40,000 रु. और आनन्द 2,60,000 रु.। साझेदार संलेख के अनुबंध के अनुसार साझेदारों को 5% प्र.व. पूँजी पर ब्याज और आहरण पर 6% प्र.व. ब्याज मान्य है। इसके अतिरिक्त अरविन्द को 35,000 रु. का वेतन भी दिया जाएगा। साझेदारों के आहरण इस प्रकार हैं : अरविन्द 40,000 रु. और आनन्द 28,000 रु.। 31 मार्च, 2020 को फर्म की हानि 32,400 रु. थी। लाभ व हानि विनियोग खाता तैयार करें।

उत्तर देखें

12. रमेश और सुरेश एक फर्म में साझेदार हैं तथा उनके लाभ विभाजन अनुपात उनकी पूँजी के अनुसार है जो कि व्यवसाय के प्रारंभ में क्रमश: 80,000 रु. तथा 60,000 रु. लगाई गई थी। फर्म ने 01 अप्रैल, 2015 से व्यवसाय शुरू किया। साझेदारी समझौते के अनुसार पूँजी और आहरणों पर क्रमश: 12% और 10% प्रतिवर्ष ब्याज की दर अनुमत है। रमेश और सुरेश क्रमश: 2,000 रु. तथा 3,000 रु. प्रतिमाह को वेतन के रूप में प्राप्त करते हैं।

वर्ष की समाप्ति पर 31 मार्च, 2016 को उपर्युक्त समायोजनों के करने से पूर्व लाभ 1,00,300 रु. था और रमेश तथा सुरेश के आहरण क्रमशः 40,000 रु. तथा 50,000 रु. थे। आहरणों की राशि पर ब्याज रमेश के लिए 2,000 रु. तथा

सुरेश के लिए 2,500 रु. बनते हैं। इनकी पूँजी को अस्थिर मानते हुए लाभ एवं हानि विनियोग खाता तथा साझेदारों का पूँजी खाता तैयार करें।

उत्तर देखें

13. सुकेश एवं विनीता एक फर्म में साझेदार हैं। उनका साझेदारी समझौता निम्नलिखित प्रावधानों से युक्त है, जिसके अनुसार :

(i) सुकेश एवं विनीता द्वारा लाभ विभाजन अनुपात 3:2,

(ii) पूँजी पर 5% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज देय है,

(iii) विनीता को प्रतिमाह 600 रु, वेतन के रूप में प्राप्त होने

चाहिए,

31 दिसंबर, 2016 को उनके लेखा खातों से निम्नलिखित शेष निष्कर्ष रूप में प्राप्त हुए हैं:

पूँजी तथा आहरणों पर ब्याज का परिकलन

	सुकेश (रु.)	*विनीता (रु.)*
पूँजी खाते	40,000	40,000
चालू खाते	(जमा) 7,200	(जमा) 2,800
आहरण	10,850	8,150

पूँजी पर ब्याज एवं साझेदार का वेतन निकालने से पहले इस वर्ष में फर्म का निवल लाभ 9,500 रु. रहा। लाभ एवं हानि विनियोग खाता तथा साझेदारों के चालू खाते तैयार करें।

उत्तर देखें

14. राहुल, रोहित एवं करन ने 01 अप्रैल, 2014 को क्रमशः 20,00,000 रु. 18.00.000 रु. तथा 16,00,000 रु. से व्यवसाय शुरू किया। वर्ष 2015-16 पर उनका लाभ 1,35,000 रु. था तथा साझेदारों के आहरण राहुल 50,000 रु., रोहित 50,000 रु. तथा करन 40,000 रु. था। लाभों को साझेदार के बीच 3:2:1 में वितरित किया गया। पूँजी पर 5% प्रति वर्ष की दर से ब्याज परिकलित कीजिए।

उत्तर देखें

15. सूरजमुखी और गुलाब ने 01 अप्रैल, 2019 को क्रमशः 2,50.000 रु. तथा 1,50,000 रु. के साथ व्यवसाय शुरू किया। 01 अक्तूबर, 2015 को उन्होंने तय किया कि दोनों की पूँजी 2,00,000 रु. प्रत्येक होनी चाहिए। पूँजी सन्निवेश और रोकड़ आहरण के द्वारा उचित समायोजन किए गए। पूँजी पर 10% की दर से ब्याज अनुमत है। 31 मार्च, 2020 को पूँजी पर ब्याज परिकलित कीजिए।

उत्तर देखें

16. 31 मार्च, 2016 के बाद खाता पुस्तकें बंद होने पर मांउटेन, हिल एवं रॉक की पुस्तकें क्रमशः 4,00,000 रु., 3.00.000 रु. तथा 2,00,000 रु. पर थीं। तंदतर यह पाया गया कि पूँजी पर 10% की दर से ब्याज का विलोपन है। पूरे वर्ष का लाभ 1,50,000 रु. था तथा साझेदारों के आहरण मांउटेन 20.000 रु., हिल 15,000 रु. तथा रॉक 10,000 रु. थे। पूँजी पर ब्याज परिकलित करें।

उत्तर देखें

17. नीलकांत एवं महादेव के तुलन पत्र का 31 मार्च, 2020 को निष्कर्ष निम्नवत है। 3

31 मार्च, 2020 को तुलन पत्र

देनदारियाँ	*राशि (रु.)*	*परिसंपत्तियाँ*	*राशि (रु.)*
नीलकांत की पूँजी	10,00,000	विविध परिसंपत्तियाँ	30,00,000
महादेव की पूँजी	10,00,000		
नीलकांत का चालू खाता	1,00,000		
महादेव का चालू खाता	1,00,000		
लाभ व हानि विनियोजन (मार्च 2007)	8,00,000		
	30,00,000		**30,00,000**

पूरे वर्ष के दौरान महादेव का आहरण 30,000 रु. है तथा वर्ष 2016 दौरान लाभ 10,00,000 रु. है। वर्ष के अंत 31 मार्च, 2016 को पूँजी पर ब्याज 5% प्रति वर्ष की दर से परिकलित करें।

उत्तर देखें

18. ऋषि एक फर्म में साझेदार है। 31 मार्च, 2016 तक वह निम्न आहरण करता है।

01 मई, 2019	12,000रु.
31 जुलाई, 2019	6,000रु.
30 सितंबर, 2019	9.000रु.
30 नवंबर, 2019	12,000 रु.
01 जनवरी, 2020	8,000 रु.
31 मार्च, 2020	7.000रु.

आहरणों पर 9% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज देय है। आहरणों पर ब्याज परिकलित कीजिए।

उत्तर देखें

19. मोली और गोलू के पूँजी खाते 01 अप्रैल, 2016 को क्रमशः 40,000 रु. तथा 20,000 रु. का शेष दर्शाते हैं। वे 3:2 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं। पूँजी पर 10% की दर से ब्याज अनुमत है तथा आहरणों पर 12% की दर से प्रभार अनुमत है। गोलू ने 01 अगस्त, 2016 को 10,000 रु. का ऋण फर्म को दिया। वर्ष के दौरान मोली ने 1,000 रु. प्रति माह के प्रारंभ में आहरित किए, जब कि गोलू ने प्रति माह के अंत में 1,000 रु. आहरित किए। उपर्युक्त समायोजनों के करने से पूर्व लाभ 20,950 रु. था। आहरणों पर ब्याज परिकलित कीजिए तथा साझेदारों के पूँजी खाते तैयार कीजिए।

उत्तर देखें

20. राकेश एवं रोशन एक फर्म में 3:2 के अनुपात में लाभ विभाजन से क्रमशः 40,000 रु. तथा 30,000 रु. के साथ साझेदार हैं। उन्होंने अपने निजी उपयोग हेतु निम्नलिखित आहरण वर्ष भर किए हैं।

राकेश	*माह*	*रु.*
	03 मई, 2019	600
	30 जून, 2019	500
	31 अगस्त, 2019	1,000
	01 नवंबर, 2019	400
	31 दिसंबर, 2019	1,500
	31 जनवरी, 2020	300
	01 मार्च, 2020	700
रोशन	*प्रत्येक माह के प्रारंभ में*	400

6% वार्षिक की दर से आहरण पर ब्याज प्रभारित होना है। आहरणों पर ब्याज परिकलित कीजिए जबकि प्रतिवर्ष 31 मार्च, 2016 को खाता पुस्तकें बंद होती हैं।

उत्तर देखें

21. हिमांशु प्रतिमाह 2,500 रु. आहरित करता है। साझेदारी विलेख के अनुसार आहरणों पर 12% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज देय है। 31 मार्च, 2016 को वर्ष की समाप्ति पर मांशु के आहरणों पर ब्याज का परिकलन करें।

उत्तर देखें

22. भाराम एक फर्म में साझेदार है। वह 12 महीनों तक माह के अंत में 3,000 रु. आहरित करता है। फर्म के लेखा खाते

प्रतिवर्ष 31 मार्च को बंद होते हैं। यदि ब्याज दर 10% वार्षिक है तो आहरणों पर ब्याज का परिकलन करें।

उत्तर देखें

23. राज एवं नीरज एक फर्म में साझेदार हैं। 01 अप्रैल, 2015 को उनकी पूँजी क्रमश: 2,50,000 रु. तथा 1,50,000 रु. थी। वे लाभ की भागीदारी बराबर करते हैं। 01 जुलाई, 2015 को वे निर्णय लेते हैं कि उन दोनों की पूँजी 1.00.000 रु. प्रत्येक होनी चाहिए। उनकी पूँजी में आवश्यक समायोजन रोकड़ को सन्निविष्ट करके अथवा आहरित करके किया गया। पूँजी पर 8% वार्षिक की दर से ब्याज अनुमत है। वर्ष की

समाप्ति 31 मार्च, 2015 पर दोनों साझेदारों की पूँजी पर ब्याज की संगणना करें।

उत्तर देखें

24. अमित और भोला एक फर्म में साझेदार हैं। उनका लाभ विभाजन अनुपात 3:2 है। उनके साझेदारी विलेख के अनुसार आहरणों पर ब्याज की दर 10% वार्षिक प्रभारित होनी है। वर्ष 2014 के दौरान उनके आहरण क्रमशः 24,000 रू. तथा 16,000 रु. थे। यह मानकर कि उन्होंने पूरे वर्ष नियमित रूप से राशियाँ आहरित की थी। इसी आधार पर आहरणों पर ब्याज परिकलित कीजिए।

उत्तर देखें

25. हरीश एक फर्म में साझेदार है। वह वर्ष 2015-16 के दौरान निम्नलिखित आहरित करता है:

01 मई 2019	4,000
01 अगस्त 2019	10,000
30 सितंबर 2019	4,000
31 दिसंबर 2019	12,000
31 मार्च 2019	4,000

आहरणों पर प्रभारित होने वाली वार्षिक ब्याज दर $7 1/2$ % है। मार्च 2020 के लिए हरीश के आहरणों पर ब्याज की राशि परिकलित कीजिए।

उत्तर देखें

26. मेनन एवं टॉमस एक फर्म में साझेदार हैं। वे लाभ का विभाजन बराबर करते हैं। आहरणों पर 10% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज प्रभारित होना है। वर्ष 2015-16 के लिए यह मानकर मेनन की आहरित राशियों पर ब्याज परिकलित करें कि : (i) वर्ष भर प्रत्येक माह के प्रारंभ में, (ii) प्रत्येक माह के मध्य में, तथा (iii) प्रत्येक माह के अंत में आहरण किए हैं।

उत्तर देखें

27. 31 मार्च, 2016 को लेखा खाते बंद होने के बाद, राम, श्याम तथा मोहन की पूँजी शेष क्रमश: 24,000 रु. 18,000 रु. तथा 12,000 रु. प्रकट होती हैं। लेकिन बाद में यह पता चलता है कि पूँजी पर 5% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज शामिल होने से रह गई है। 31 मार्च, 2016 को वर्ष के अंत में यह लाभ राशि 36,000 रु. होती है तथा साझेदारों के आहरण: राम 3,600 रु., श्याम 4,500 रु. तथा मोहन 2,700 रु. होती है। राम, श्याम एवं मोहन का लाभ विभाजन अनुपात 3:2:1 है। पूँजी पर ब्याज परिकलित कीजिए।

उत्तर देखें

28. अमित, सुमित व समीक्षा 3: 2:1 के अनुपात में लाभ विभाजन के साझेदार हैं। अमित एवं सुमित द्वारा समीक्षा के न्यूनतम लाभ 8,000 रु. की गारंटी ली गई। 31 मार्च, 2016 को लाभ 36,000 रु. था। साझेदारों के बीच लाभ वितरण की राशि ज्ञात करें।

उत्तर देखें

29. पिंकी, दीप्ति व काकु एक फर्म में 5 : 4 : 1 के अनुपात में साझेदार हैं। काकू को यह सुनिश्चित किया गया कि उसके लाभ का भाग कभी भी 5,000 रु. से कम नहीं होगा, यदि ऐसा हुआ तो यह पिकी व दीप्ति द्वारा समान रूप से वहन

किया जाएगा। वर्ष का लाभ 40,000 रु. हुआ। लाभ विभाजन को दर्शाते हुए आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियाँ दर्शाएँ।

उत्तर देखें

30. अभय, सिद्धार्थ व कुसुम एक फर्म में साझेदार हैं और उनका लाभ विभाजन अनुपात 5:3:2 का है। कुसम को लाभ शेयर के रूप में 10,000 रु. की गारंटी दी गई है। यदि कोई कमी आई तो इसे सिद्धार्थ के खाते से पूरा किया जाएगा। 31 मार्च, 2016-17 वर्ष के अंत में लाभ क्रमश : 40,000 रु. तथा

60,000 रु. था। लाभ व हानि विनियोग खाता तैयार कीजिए।

उत्तर देखें

31. राधा, मैरी व फ़ातिमा 5:4:1 के अनुपात में लाभ विभाजन करती हैं। फ़ातिमा को गारंटी दी गई है कि उसके लाभ का भाग 5,000 रु. से कम नहीं होगा, यदि कोई कमी होती है तो लाभ की कमी को राधा व मैरी द्वारा 8:2 के अनुपात में वहन किया जाएगा। वर्ष के अंत 31 मार्च, 2020 को लाभ 35,000 रु. था। साझेदारों के बीच लाभ विभाजन करते हुए आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टि तैयार करें।

उत्तर देखें

32. क, ख, एवं ग एक फर्म की साझेदारी में लाभ विभाजन क्रमश: 3:2:1 के अनुपात में करते हैं। हालाँकि ग के भाग के लिए क एवं ख ने न्यूनतम 8,000 रु. की स्थिर गारंटी दी हुई है। वर्ष के अंत में 31 मार्च, 2020 को लाभ 36,000 रु. होता है। लाभ एवं हानि विनियोग खाता तैयार करें जिसमें प्रत्येक साझेदार के लिए अंतिम प्राप्य राशि का संकेत हो।

उत्तर देखें

33. अरूण, बॉबी एवं चिंटू एक फर्म में 2:2:1 के अनुपात में लाभ विभाजन के साझेदार हैं। साझेदारी विलेख की गारंटी के अनुसार कंपनी का लाभ कुछ भी हो किंतु चिंटू को कम-से-कम 6.000 रु. प्राप्त होने हैं। चिंटू के खाते में ऐसी गारंटी की कोई भी अतिरेक अरूण के द्वारा वहन की जाएगी। एक लाभ एवं हानि विनियोग खाता तैयार करें जो साझेदारों के बीच लाभ के वितरण को दर्शाता, यदि मान लीजिए कि वर्ष 2016 के लिए लाभ (i) 2,50,000 रु. (ii) 3,60,000 रु. हुआ हो।

उत्तर देखें

34. अशोक, बृजेश एवं शीना, एक फर्म में 2:2:1 के अनुपात में लाभ व हानि का विभाजन करते हुए साझेदार हैं। अशोक एवं बृजेश यह गारंटी देते हैं कि शीना को किसी भी वर्ष 20,000 रु. से कम लाभ नहीं दिया जाएगा। वर्ष के अंत 31 मार्च, 2016 के लिए लाभ की राशि 70,000 रु. होती है। लाभ एवं हानि विनियोग खाता तैयार कीजिए।

उत्तर देखें

35. राम, मोहन और सोहन एक फर्म में क्रमश: 5,00,000 रु., 2,50,000 रु. तथा 2,00,000 रु. की पूँजी के साथ साझेदार हैं। पूँजी पर 10% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज के

प्रावधान के बाद लाभ को निम्नानुसार विभाजित करें। राम $1/2$, मोहन $1/3$ और सोहन $1/6$। लेकिन राम एवं मोहन ने सोहन को कम से कम 25,000 रु. प्रति वर्ष देने की गारंटी दी है। वर्ष के अंत में 31 मार्च, 2017 के लिए, पूँजी पर ब्याज प्रभारित करने से पहले, निवल लाभ 2,00,000 रु. है। आप से अपेक्षा है कि लाभ का परिकलन करें।

उत्तर देखें

36. अमित, बबीता एवं सोना एक फर्म में साझेदार हैं। उनका लाभ 3:2:1 के अनुपात में विभाजित हैं तथा निम्न बातों को ध्यान में भी रखना है:

(i) सोना के गारंटी के रूप लाभ का भाग 15,000 रु. प्रति वर्ष से कम न हो।

(ii) बबीता इस प्रभाव के साथ गारंटी देती है कि जब वह फर्म में नौकरी करती थी तब से उसे 5 साल के औसत कुल प्रभार या फीस (जो 25,000 रु. है) के बराबर होनी चाहिए और आज उसके द्वारा अर्जित फीस इससे कम नहीं होगी। वर्ष के अंत में 31 मार्च, 2017 के लिए कुल लाभ 75,000 रु. होता है और फर्म हेतु बबीता के द्वारा अर्जित कुल फीस 16,000 रु. है।

आप से लाभ एवं हानि विनियोग खाता को दर्शाने की अपेक्षा की जाती है (लेकिन दिए गए अकेले प्रभाव को अपनाने के बाद)

उत्तर देखें

37. वर्ष के अंत में 31 मार्च, 2020 के लिए क,ख एवं ग का निवल लाभ 60,000 रु. था और यही राशि इन साझेदारों के बीच 3:1:1 के अनुपात में वितरित की गई। इसके बाद यह बात पता चली कि निम्नलिखित लेन-देन को लेखा खातों में नहीं अभिलेखित किया गया है:

(i) पूँजी पर ब्याज की दर 5% प्रतिवर्ष

(ii) आहरणों पर ब्याज जो कि क के 700 रु., ख के 500 रु., ग के 300 रु. हैं।

(iii) साझेदारों का वेतन क के 1,000 रु., ख के 1,500 रु. प्रति वर्ष

(iv) एक सहमतिपूर्ण कमीशन क के लिए 6,000 रु., ख के

लिए 6, 00 रु. जो कि एक फर्म की विशेष लेन-देन से पैदा हुआ है। समायोजन प्रविष्टियों का अभिलेखन करें।

उत्तर देखें

38. हैरी, पोर्टर एवं अली एक फर्म में 2:2:1 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं "जो कई वर्षों से विद्यमान है, लेकिन अली चाहता है कि वह भी फर्म में हैरी एवं पोर्टर के समान बराबर का लाभ का भागीदार बने। इसके साथ ही वह चाहता है कि वह लाभ विभाजन पिछले तीन वर्षों से पूर्व प्रभावी तरीके से प्राप्त हो। इस बारे में हैरी एवं पोर्टर एक समझौता करते हैं।

पिछले तीन वर्षों का लाभ

वर्ष	(रु.)
2013-14	22.000
2014-15	24,000
2015-16	29,000

एक एकल समायोजन रोजनामचा प्रविष्टि के द्वारा लाभ का समायोजन प्रदर्शित करें।

उत्तर देखें

39. मनु एवं सृष्टि एक फर्म में 3:2 के अनुपात में लाभ विभाजन के साझेदार हैं। 31 मार्च, 2017 को उनके फर्म का

तुलन पत्र निम्नानुसार है:

31 मार्च, 2017 के अनुसार तुलन-पत्र

दायित्व		राशि (रु.)	परिसंपत्तियाँ		राशि (रु.)
मनु की पँजी	30,000		आहरण:		
सृष्टि की पूँजी	10,000	40,000	मनु	4,000	
			सृष्टि	2,000	6,000
			अन्य परिसंपत्तियाँ		34,000
		40,000			40,000

31 मार्च, 2017 के वर्ष के अंत में लाभ को सहमत अनुपात के आधार पर वितरित किया गया लेकिन पूँजी पर ब्याज की दर 5% वार्षिक तथा आहरणों पर 6% वार्षिक असावधानी से जाँच द्वारा ली गई। एक औसत अवधि 6 माह के लिए आधार बनाकर आहरण पर ब्याज का समायोजन करें। समायोजन प्रविष्टि प्रदान करें।

उत्तर देखें

40. 31 मार्च, 2017 को एलविन, मोनू एवं अहमद के पूँजी खाते पर लाभ, आहरणों आदि के समायोजन हुए थे जो कि एलविन 80,000 रु., मोनू 60,000 रु. तथा अहमद की 40,000 रु. थी। इसके तदंतर ही यह पता चला कि पूँजी तथा आहरणों पर ब्याज छूट गया है, जिसे शामिल किया जाना था।

ये साझेदार पूँजी पर 5% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज लेने के लिए अधिकृत थे। इस वर्ष के दौरान आहरण इस तरह थे : एलविन 20,000 रु., मोनू 15,000 रु. तथा अहमद 9,000 रु.। साझेदारों द्वारा आहरणों पर प्रभारित ब्याज राशि इस प्रकार थी : एलविन 500 रु., मोनू 360 रु. तथा अहमद

200 रु.। वर्ष की निवल लाभ राशि 1,20,000 रु. थी और लाभ विभाजन अनुपात 3:2:1 था।

उत्तर देखें

41. आजाद एवं बिन्नी बराबर के साझेदार हैं। उनकी पूँजी क्रमशः 40,000 रु. तथा 80,000 रु. थी। वर्ष के अंत में खातों को तैयार करने के बाद यह पता चला कि साझेदारी विलेख में प्रस्तावित 5% प्रतिवर्ष की ब्याज दर को लाभ वितरण से पहले पूँजी खातों में नहीं जमा किया गया है। यह तय किया गया कि अगले वर्ष के प्रारंभ में एक समायोजन

प्रविष्टि तैयार की जाए। आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टि अभिलेखित करें।

उत्तर देखें

42. मोहन, विजय व अनिल साझेदार हैं, उनके पूँजी खातों में क्रमश: 30,000 रु. 25,000 रु. तथा 20,000 रु. शेष हैं। इन अंकों पर पहुँचने के साथ 31 मार्च, 2017 को वर्ष की समाप्ति पर लाभ राशि 24,000 रु. साझेदारों के खातों में उनके लाभ विभाजन अनुपात में जमा किया गया। गणना के दौरान मोहन, विजय तथा अनिल का आहरण क्रमश: 5,000 रु., 4,000 रु. तथा 3,000 रु. थी। तंदतर निम्न विलोपन

देखे गए।

(अ) पूँजी पर 10% वार्षिक की दर से ब्याज प्रभारित नहीं किया गया।

(ब) आहरणों पर ब्याज मोहन 250 रु., विजय 200 रु., अनिल 150 रु. खाता पुस्तकों में अभिलेखित नहीं हुए हैं। रोज़नामचा प्रविष्टि द्वारा आवश्यक सुधार अभिलेखित करें।

उत्तर देखें

43. अंजू, मंजू व ममता साझेदार है जिसमें उनकी स्थिर पूँजी क्रमशः 10,000 रु. 8,000 रु. व 6,000 रु. है। साझेदारी विलेख के अनुसार पूँजी पर 5% वार्षिक दर से ब्याज देय

अनुमत है। लेकिन पिछले तीन वर्षों से प्रविष्टि नहीं डाली गई है। इन वर्षों के दौरान लाभ विभाजन अनुपात निम्नवत था।

वर्ष	अंजू	मंजू	ममता
2016	4	3	5
2017	3	2	1
2018	1	1	1

नए वर्ष हेतु आवश्यक एवं समायोजन प्रविष्टियाँ तैयार करें, अर्थात अप्रैल 2017 हेतु प्रविष्टियाँ दें।

उत्तर देखें